C.W
1|11|21

पाठ - ६ बलवान कौन?

प्रश्नोत्तर

मौखिक

1- श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास -

प्राणी मायूस
बलवान चींटी
मस्त वादा
चिड़िया अहंकारी
घोंसला

2- कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए -

(क) पेड़ के ऊपर क्या था?
उ→ पेड़ के ऊपर चिड़िया का एक घोंसला था।

(ख) घोंसले में कितने अंडे रखे थे?
उ→ घोंसले में दो अंडे रखे थे।

(ग) पेड़ को ज़ोर से हिलाने पर क्या हुआ?
उ→ पेड़ को ज़ोर से हिलाने पर चिड़िया का घोंसला गिर गया और अंडे टूट गए।

(घ) चींटी ने चिड़िया से क्या वादा किया?
उ→ चींटी ने चिड़िया से यह वादा किया कि वह हाथी को जरूर मजा चखाएगी।

लिखित

१. सही वाक्य पर (✓) का और गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए -

(क) चिड़िया ने हाथी को बहुत समझाया। ✓
(ख) हाथी ने चींटी का मज़ाक उड़ाया। ✓
(ग) चिड़िया के अंडे टूटे नहीं थे। ✗
(घ) चींटी ने हाथी से बदला लिया। ✓

२. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए -

माथुस, घोंसला, बलवान, सबक

(क) संसार में हर बड़े आकार का प्राणी अपने आपको बलवान समझता है।
(ख) पेड़ के ऊपर चिड़िया का घोंसला था।
(ग) माथुस चिड़िया पेड़ की डाल पर बैठकर रोने लगी।
(घ) चींटी ने हाथी को सबक सिखाया।

३. जोड़ी बनाइए :

(क) पेड़ के ऊपर → (iii) चिड़िया का घोंसला था।
(ख) चींटी ने चिड़िया से → (i) रोने का कारण पूछा।
(ग) हाथी बेचारा दर्द से → (iv) तड़प उठा।
(घ) विशाल आकार होने से → (ii) प्राणी बलवान नहीं होता है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) हाथी अपने शरीर को कैसे खुजा रहा था?

उ→ हाथी अपने शरीर को एक पेड़ के तने से रगड़ रहा था।

(ख) घोंसले में क्या रखा था?

उ→ घोंसले में चिड़िया के दो अंडे रखे थे।

(ग) चिड़िया क्यों रोने लगी?

उ→ अंडे टूटने से चिड़िया बायुस होकर रोने लगी।

(घ) हाथी ने किसका मज़ाक उड़ाया?

उ→ हाथी ने चींटी का मज़ाक उड़ाया।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए-

(क) चींटी ने हाथी से कैसे बदला लिया?

उ→ हाथी ने चींटी का मज़ाक उड़ाया था। यह चींटी को बिलकुल अच्छा नहीं लगा। चींटी चिड़िया से भी बड़ा किया था कि हाथी को सबक सिखाएगा। मन-ही-मन हाथी को सबक सिखाने की ठानी। चींटी पास ही एक झाड़ी में छिप गई और मौका देखते ही चुपके से हाथी की सूंड़ में घुस गई। फिर उसने हाथी को काटना शुरू कर दिया। हाथी परेशान हो उठा। उसने सूंड़ को ज़ोर-ज़ोर से हिलाया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। हाथी दर्द

से कराहने और रोने लगा। यह देख चींटी ने कहा कि हाथी भईया, आप दूसरों को परेशान करते हो, तो बड़ा मज़ा लेते हो, तो अब खुद क्यों परेशान हो रहे हो?

हाथी को अपनी गलती का एहसास हो गया और उसने चींटी से माफ़ी मांगी कि आगे से वो कभी किसी को नहीं सताएगा। चींटी को उस पर दया आ गई। वो बाहर आकर बोली कि कभी किसी को छोटा और कमज़ोर नहीं समझना चाहिए। यह सुन हाथी बोला कि मुझे सबक मिल चुका है। मुझे अच्छी सीख दी तुमने। अब हम सब मिलकर रहेंगे और कोई किसी को परेशान नहीं करेगा। इस तरह चींटी ने हाथी से बदला लिया।

(ख) इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?

उ→ अहंकारी हाथी से डरकर सामना न करना चिड़िया की भूल थी, जबकि चींटी ने समझदारी का परिचय दिया। साधारण रूप में कह सकते हैं कि आकार में बड़ा होने से ही कोई बलवान नहीं हो जाता। अच्छे कर्म ही प्राणी को बड़ा बनाते हैं। चींटी का चिड़िया से सहानुभूति दिखाना व उसके लिए हाथी को सबक सिखाना उसकी सहृदयता को दर्शाता है। जो हमें अच्छे कर्म करने की प्रेरणा देता है। घमंडी का सिर सदा नीचा होता है। कभी किसी को कमज़ोर और छोटा न समझें।